



NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 19001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 19001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह को चुना गया एनबीटी प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर 2025

ऑपरेशन सिंदूर के पराक्रम को राष्ट्र का सलाम



ऑपरेशन सिंदूर के साथ दिए कई और संदेश

Poonam.Pandey@timesofindia.com

पहलामा में हुए आतंकी हमले का बदला इंडियन आर्म्ड फोर्स ने ऑपरेशन सिंदूर से लिया। 6 मई की रात एक बजकर पांच मिनट से रात डेढ़ बजे के बीच ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया। 7 मई को सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए दुनिया को जानकारी देनी थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस सुबह 10 बजे शुरू नहीं थी। हालांकि यह थोड़ा देरी से शुरू हुई। कॉन्फ्रेंस शुरू होने से पहले तक अंदाजा लगाया जा रहा था कि आर्म्ड फोर्स के सैनिक ऑपरेशन सिंदूर कर रहे हैं। लेकिन करीब 10-15 मिनट पहले ही सूची से जानकारी मिली कि महिला अधिकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगी। पत्रकारों से हाउसफुल मैगजिन मैडिगा सेंटर में विदेश सचिव विक्रम मिश्र और दो महिला अधिकारियों की एंटी हुई। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह। आत्मवीर्यजस से लवरेज दोनों महिला अधिकारियों ने दुनिया को बताया कि किस तरह इंडियन आर्म्ड फोर्स ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया है। ऑपरेशन के बीच 9 घंटे बाद सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने दुनिया के सम्मने इस ऑपरेशन से जुड़े सबूत दिये। बताया गया कि कैसे आतंकवादियों के ठिकानों को चुन गया, कहा ये आतंकी ठिकाने थे और किस तरह उन्हें हट किया गया। उन्होंने 8, 9 और 10 मई को भी ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी लगातार मैडिगा को दी।

इस ऑपरेशन की जानकारी देने के लिए इंडियन आर्म्ड फोर्स की विंग कमांडर व्योमिका सिंह को चुना गया, जिसके जरिए संदेश दिया गया कि महिलाएं कमजोर नहीं हैं और भारत में महिला शक्ति की ताकत दिखाई। पहलामा में आतंकवादियों ने धर्म पृथक्करण निर्वाह पर्यटकों की हत्या की थी। सोफिया और व्योमिका के जरिए यह भी संदेश दिया गया कि हिंदू-मुस्लिम में तनाव बढ़ाने को कोई नापाक कोशिश सफल नहीं होगी। साथ ही भारत में सभी धर्मों का सम्मन है और धर्म के आधार पर बांटने के मंसूबों को कत्तार जवाब दिया गया।

7 मई की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद हमने कर्नल

NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर 2025

जनता ने चुना

46%

वोट से देश की वीरांगनाएं बनीं एनबीटी प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर



ऑपरेशन सिंदूर ने साबित किया कि जब लड़ लड़ सुरक्षा की होती है तो भारतीय सारथक सेनाएं एकजुट, सशक्त और असाधारण सहस्र के साथ खड़ी होती हैं। ऑपरेशन की सफलता हमारे जवानों की ट्रेनिंग, भेजक और बसिंदान भव्यता का परिणाम है। देश ने कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह को 'एनबीटी प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर' चुना है, यह सम्मान हर उस शक्ति के नाम है जो बड़ी पहलकर देश के लिए अपने खून तक न्योता करने में पीछे नहीं रहती। ये देश की सारथक सेनाओं के प्रति देश के लोगों का भरोसा और प्यार है।

जनरल अनिल चौहान चीफ ऑफ डिफेंस स्टफ

NBT ने इन हस्तियों को भी शामिल किया था रस में



शीतल देवी और सुमित अतिल शुभांशु शुक्ला हरमनप्रीत कोर दिव्या देशमुख

संवाद

नवभारत टाइम्स

नवभारत टाइम्स | मुंबई | जनिवार, 3 जनवरी 2026

लीपापोती का प्रयास

इंदौर में मौत के आकड़ों पर बहस

स्वच्छता रैंकिंग में लगातार टॉप पर आने वाले इंदौर में दूधित पेयजल की वजह से हुई मौतें लापरवाही का नतीजा हैं। स्थानीय लोगों का यह आरोप बेहद गंभीर है कि पानी की क्वालिटी को लेकर लगातार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई। और दुर्भाग्य से इतनी बड़ी वारदात के बाद भी अदालत को दखल देकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने का आदेश देना पड़ रहा है।



हाईकोर्ट में सुनवाई | अदालत ने सुनवाई के दौरान नगर निगम की तरफ से दाखिल स्टेटस रिपोर्ट में दूधित पेयजल की वजह से केवल चार मौतें बताई गई हैं, जबकि वही के मेयर का कहना है कि 10 लोगों की मौत हुई और दूसरे शेष संख्या 15 बता रहे हैं। मौत के आंकड़ों पर बहस साबित करती है कि अब भी इस घटना से सबक लेने के बजाय लीपापोती करने का प्रयास है।

दूधित पेयजल की वजह से एक भी मौत होना शर्मनाक है और यहां तो 200 से ज्यादा लोगों को हॉस्पिटल में भर्ती करना पड़ा। **कार्रवाई काही नहीं।** राज्य सरकार ने नगर निगम के आयुक्त को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, अगर नगर आयुक्त को इंदौर से हटा दिया है और प्रभारी अभिलेखा अधिपति से निम्नोदारी वापस ले ली है। लेकिन, क्या इतना काफी है? इस तरह की 'रूटीन' कार्रवाई जिम्मेदारों को सबक नहीं देती, बल्कि पीड़ितों का मजक बनाती है। यहां ऊपर से नीचे तक, सभी की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

सुधार की जरूरत। इंदौर के भागीरथपुर की घटना जल्दी नागरिक लाइफ को की कमी की ओर इशारा करती है। आज भी देश में हर एक साक्षर आबादी पर औसतन लगभग 35 लोगों की दूधित पेयजल की वजह से जान जाती है। एचवेल पर्यटन की तुलना में यह लगभग तीन गुना है। देशक सरकार ने जल जीवन मिशन जैसे अभियान चलाए हैं, जिसकी बदौलत करीब 81% ग्रामीण घरों में बेहतर पठुंखाने का दावा है, लेकिन अब भी सुधार की बहुत जरूरत है।

पुनर्नीती और बदौरी। भारत ने 2047 तक विकसित देशों की कतार में खड़े होने का लक्ष्य रखा है, लेकिन पहले आम लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना होगा। 2050 तक भारत की आबादी 1.7 अरब तक होने का अनुमान है और सब कमी के संसाधनों पर और स्वावल पड़ेगा। देश को बेहतर वाटर मैनेजमेंट के साथ सिस्टम को सुधारने की जरूरत है, तभी इस चुनौती का सामना किया जा सकता है।

अंतर्दृष्टि

आइए, इस नए वर्ष में एक साथ लें 26 संकल्प

नया वर्ष आते ही हम सब कुछ नया करने की इच्छा से भर जाते हैं। नई ताकतें, नई योजनाएं और नई उम्मीदें मन में जन्म लेती हैं। लेकिन कुछ ही सप्ताह बाद वही पुराने बकान, वही बिखरी दिनचर्या और वही अंधेरे कारे लौट आते हैं। शायद इसलिए कि हम संकल्प तो लेते हैं, पर जीवन की दिशा नहीं बदलते। इस बार मैं चाहता हूँ कि आप मेरे साथ संकल्प लें, अकेले नहीं बल्कि साथ चलकर।

- हम एक संकल्प लें कि अपने शरीर को बोझ नहीं, साधन मानें और उसे निर्वाहगर्त करें।
- हम जीवन को केवल स्वयं नहीं, ऊर्जा और संतुलन के रूप में देखें।
- हम मन को यह अधिकार नहीं देंगे कि हर विचार को अंतिम सत्य बना दे।
- हम यह न अप्यास करेंगे कि विचार आए और जाए, पर उनमें उलझे नहीं।
- हम भावनाओं को दबाएंगे नहीं, पर उन्हें अपनी पाखाना भी नहीं बनाएंगे।
- हम साक्षी भाव में रहना सीखेंगे। हम देखने वाले बनेंगे, दूधने वाले नहीं।
- यह स्मरण रखेंगे कि हम केवल शरीर और नाम नहीं हैं, बल्कि चेतना हैं।
- हम हर दिन कुछ पल भी 'बैठकर अपने' होने का अनुभव करेंगे।
- हम अपने जीवन को बिना उद्देश्य के नहीं चलने देंगे।
- हम यह प्रश्न पूछने लेंगे कि हमारा जीवन किसके लिए है।
- हम आत्मस्थ नहीं, प्रियतम बनें।
- हम यह समझेंगे कि काम से ही ऊर्जा पैदा होती है।
- हम हर दिन कुछ ऐसा करेंगे, जिससे भीतर जीवंतता बनी रहे।
- हम काम अपेक्षा और अधिक देने का अप्यास करेंगे।
- हम समय, ध्यान और करुणा बिना हिलबल लगाए बाटेंगे।
- हम रिश्तों में थोलेने से पहले सुनना सीखेंगे।
- हम दूसरों को बदलने से पहले खुद को समझने का प्रयास करेंगे।
- हम समय को नहीं, निवेश मानेंगे।
- हम आनंदपरक भावों से ही व्यर्थ की चिंताओं को कम करेंगे।
- हम तुलना की आदत से बचाए निकलने का प्रयास करेंगे।
- हम यह स्वीकार करेंगे कि हर व्यक्ति की यात्रा अलग होती है।
- हम सीखते रहेंगे, थोड़े उलझे भी हों।
- हम जो है, उसके लिए कृतज्ञ रहना सीखेंगे।
- हम अपने डर को छिपाएंगे नहीं, बल्कि उसे पहचानेंगे।
- हम अपने को अनात्मस्थ रूप से स्वीकृत नहीं बनाएंगे।
- हम और भी, हम यह संकल्प लेंगे कि जीवन की ऑटोमैटिक नहीं ज़िंदा, बल्कि हर दिन थोड़ा और जागरूक होकर जियें।

नववर्ष की शुभकामनाएं।

ऑफ दि ट्रैक

सबसे पुराने क्रदम

दिलीप साहू

सऊदी अरब के रीगस्तान से इतिहास की एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी जुड़ी है, जो मनुष्य के पहले पाइरेनियस की कहानी को और स्पष्ट करती है। पेरियमी नेफ़्ट डेज में स्थित Alathar नामक स्थल पर वैज्ञानिकों को लगभग 1.15 लाख वर्ष पुराने मानव पदचिह्न मिले हैं। उन्हें अरब प्रायद्वीप में आधुनिक मानव (Homo sapiens) की अब तक की सबसे पुरानी प्रत्यक्ष मौजूदगी का प्रमाण माना जा रहा है। यह खोज उस धारणा को चुनौती देती है, जिसमें आज के सऊदी अरब को केवल सूखा, तपसा और निर्जन क्षेत्र समझा जाता है। जांच से पट्टि हुई कि ये किसी जानवर के नहीं, बल्कि इंसानों के हैं। इन पदचिह्नों की आयु Last Interglacial Period की बताई गई है, जब पृथ्वी की जलवायु अधिक नम और मानव जीवन के लिए अनुकूल थी। उस समय नेफ़्ट डेज में मंटे पानी की झीलें, घास के मैदान और बड़े जंगल मौजूद थे। जहाँ पशुधर के आँख, आमा या हड्डियों के प्रमाण नहीं मिलने से यह स्पष्ट होता है कि यह कोई स्थानीय बस्ती नहीं, बल्कि मानव प्रवास के दौरान का अस्थायी पड़ाव था। यह खोज उस सिद्धांत को मजबूती देती है कि अरब प्रायद्वीप कभी अफ्रीका, एशिया और दक्षिण एशिया को जोड़ने वाला एक 'ख़ीन कॉरिडोर' था, जिसके जरिए प्रारंभिक मानव अफ्रीका से निकलकर दुनिया के अन्य हिस्सों की ओर बढ़े।

केंद्र ने नए साल में 4000 मंदिरों के जीर्णोद्धार की योजना बनाई

दक्षिण की ओर चला धर्म रथ

प्रत्यक्ष किम् प्रमाण - जो सामने है, उसके लिए प्रमाण जरूरी नहीं होता। मेरे खयाल से सनातन धर्म के लिए यह बात



हिस्साबाब मोहम्मद

लाहराहा है। भले ही आप इसे राजनीतिक चरम से देखें, लेकिन मामों के भारत में करीब एक दशक पहले बदले राजनीतिक परिदृश्य के बावजूद सब इतना आसान नहीं था।

दुर्लभ संयोग। एक साल पहले महाकुंभ की गुंज अचानक से तेज हुई। 144 साल के दुर्लभ संयोग की चर्चा हर जगह होने लगी। लोगों को लगा कि अब नहीं गए, तो कभी नहीं जा पाएंगे। बड़ी संख्या में लोग तमाम मुश्किलें उठाकर और जमा-पूजी लगाकर इस ऐतिहासिक मौके को अपने नाम करने पहुंचे।

जोब खाली, मन भरा। प्रयागराज पहुंचने वाला हर श्रद्धालु अपनी हैसियत से थोड़ा अधिक ही खर्च कर आए। नवीनतम, पंडित-पुरोहितों के साथ ई-निष्ठा, ऑटो, ट्रेलर चालकों की भरपूर कमाई हुई। होटल, रेस्तरां वाले भी मालामाल हो गए।

आज भी मिश्रण। महाकुंभ की खादी से लोग आज भी रोमांचित हो उठते हैं। ये याद करते हैं कि प्लेन टिकट महंग था, ट्रेनों में जगह नहीं थी और रास्ते जगमग थे, फिर भी लोग पहुंचे। जो होटल का खर्च नहीं उठा सकते थे, उन्होंने सड़क किनारे ही बेरा डाल दिया।

ईकॉनमी को बुरे। केंद्रिय पर्वटन और संस्कृति मंत्रालय के एक सर्वे में मुताबिक, महाकुंभ पहुंचने हर श्रद्धालु ने औसतन 5.8 हजार रुपये खर्च किए। मेले में लगभग 66 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे



थे। इस हिसाब से युगी की ईकॉनमी को करीब 3.88 लाख करोड़ का वृद्धि मिला। सबसे ये यह भी भीना चलता है कि लोगों ने घूमने पर 41% से ज्यादा खर्च किया, जबकि रहने पर 16.64% और खाने पर केवल 11.24%।

सभी को फायदा। मेले में लोगों ने पुण्य भी नहीं कमाया, बड़े पैमाने पर रोजगार का मौका भी बनाया। गंगाजल के लिए प्लास्टिक केन और बोतल का कारोबार भी करोड़ों रुपये का हो गया। दक्षिण भारत में रहने वालों ने लाखों रुपये खर्च कर टैकर से संगम का जल मंगाया।

उन्होंने अपने इलाके के मंदिरों में जलाभिषेक किया और कई लोगों को निःशुल्क बांटा। महाकुंभ के दौरान



प्रयागराज के मनकासेखर मंदिर और नामवाड़ी के मंदिर सहित कई कॉरिडोर का लोकार्पण किया जाना इसी में से एक था। अब एक बार फिर प्रयागराज माघ महिने के लिए खुला है।

कॉरिडोर निर्माण। महाकुंभ बीतते-बीतते लगा, सनातनी चर्चाएं कम होने लगीं, लेकिन उज्जैन के श्री मायाकालेश्वर और भीम विष्णवल देवी

कॉरिडोर निर्माण ने सनातनी उथ्थान यज्ञ में आहुति दे दी। साल के अखिर तक प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर के स्वर्ण शिखर पर बाहुप्रतिष्ठा धर्म ध्वजा फहराया। इसे सनातन ध्वजा कहा गया, जिससे अयोध्या पर फिर विश्व भर में चर्चा होने लगी। आमतौर में

धार्मिक पर्यटन • करीबी और अयोध्या में हर दिन आ रहे लाखों श्रद्धालु • घूमने के लिए भी धार्मिक शहरों का रुख कर रहे लोग



डेटिंग ऐप्स पर जाँब सर्वे

डेटिंग ऐप्स को प्यार तलाशने का जरिया माना जाता है। लेकिन, AI के जमाने में हालात बदल रहे हैं।

एक सर्वे से पता चला है कि युवा अब इंटरनेट, जाँब इंटरव्यू और प्रीलांसिंग के लिए भी डेटिंग ऐप्स का सहारा ले रहे हैं।

2,200 लोगों का सर्वे

सर्वे में शामिल एक विहाई में बताया कि नौकरी के लिए ही डेटिंग ऐप्स पर मैन बढ़ा। वो विहाई ने आनने पसंद की कंपनी के लोगों को राइट स्वाइप किया, जबकि आगे में सीनियर पोजिशन वाले लोगों को नुन।

5 पॉइंट • 2,200 लोगों का सर्वे • डेटिंग ऐप्स की मदद लै जा रही है, क्योंकि नौकरी तब ही मिलती है जब उस कंपनी में किसी से पड़ता हो। ऐसे में युवा पहले ऐप्स से दोस्ती कर रहे और फिर उसी दोस्ती से नौकरी मांग रहे।

प्रीलांस जैसा रिश्ता

कई लोगों ने डेटिंग ऐप्स पर बनाए रिश्तों को प्रीलांसिंग के लिए भुनाया। कुछ को रिश्ते में आने के बाद प्रीलांस काम मिल गया, लेकिन उनका रिश्ता चला नहीं। हालाँकि कुछ का रिश्ता नौकरी से आगे भी बढ़ा।

मैनेजर तक पहुँच

दरअसल, हायरिंग सिस्टम में AI के आने से योग्य उम्मीदवारों के रेज्यूमे ऐसे ही पड़े रह जाते हैं। जाँब माकेट और कंजिड हो गया है। इसलिए, हायरिंग मैनेजर तक पहुँचने के लिए भी इनका सहारा लिया जा रहा है।

कंपनियां कन्यकुप

डेटिंग ऐप्स कन्यकुपों के लिए यह ट्रेड नया है। उनके यूजर तो बढ़ रहे हैं, लेकिन रिश्ता है कि अगर हायरिंग के लिए ऐप्स का इस्तेमाल होने लगा तो उन पर भरोसा घटेगा।

असुरी: अनधिक गिब • डेटिंग ऐप्स कन्यकुपों के लिए यह ट्रेड नया है। उनके यूजर तो बढ़ रहे हैं, लेकिन रिश्ता है कि अगर हायरिंग के लिए ऐप्स का इस्तेमाल होने लगा तो उन पर भरोसा घटेगा।

राजशाही की वापसी का तो सवाल ही नहीं

राजशाही का अंत कर गणतंत्रिक व्यवस्था अपनाने और एक प्रगतिशील संविधान तैयार कर लेने के बाद भी नेपाल लोकतंत्र की राह पर बढ़ रहा है। एक के बाद दूसरी अभियानगत से उसका पला पड़ना रहा है। इसे की तजा कड़ी है गल सितार में मुँहाआ Gen Z विद्रोह, जितने तत्कालीन औसत करकों को सत्ता से उखाड़ फेंका। पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुरेश्वर काफ़ी की आगुआई वाली आंदोलन में नारायण ने आम चुनाव करवाने का ऐलान किया है, लेकिन इस बीच पुरानी संसद को बहाल करने की मांग भी जारी है। ऐसे में पिछले दिनों दिल्ली आए नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. बाबुराम भट्टराई से बातचीत कर NBT के प्रभाव विधेयशी ने यह समझने का प्रयास किया कि नेपाल इन हालात में कैसे फस आएँ याँ से आगे की उसकी राह किस ओर जारी दिखती है। प्रस्तुत है बातचीत के मुख्य अंश:

■ आप न केवल जनयुद्ध के दौर की आगुआई करने वाले प्रमुख नेताओं में रहे हैं, बल्कि संविधान समिति के भी अध्यक्ष रहे हैं। जिस संविधान में नेपाल अभी फंसा है, उसे देखते हुए क्या चुनाव तब समय पर होने की आशा है? मैं कोई भविष्यवाणी नहीं हूँ, इसलिए यह नहीं बता सकता कि चुनाव समय पर होंगे या नहीं, लेकिन मैं यह कह सकता हूँ कि चुनाव तब समय पर ही होने चाहिए। संकटों के लिए यही सही है, नेपाल की जरूरत यही है।

■ सितंबर में नेपाल में सड़कों पर Gen Z का जो गुस्सा फूटा था, उसे अगर किसी तरह से देखते हैं? हमने नेपाल में लंबे समयों के बाद राष्ट्रीय गणतंत्रिक संविधान बनाया, उससे राजनीतिक तौर पर तो लोकतंत्र स्थापित हो गया, लेकिन उसके बाद जो बराबर, समृद्धि, सुराहाली आनी चाहिए थी, वह नहीं लाया जा सका। उसके खिलाफ नेपाल के युवाओं का असंतोष मानने आया, वही Gen Z विद्रोह है।

■ पूर्व पीएम केपी ओली कहते हैं, उनके पीछे विदेशी हाथ था। उनका इशारा भारत की ओर है। क्या आप भी ऐसा ही मानते हैं? देखिए, किसी भी समाज में एक छोटा सा हिस्सा तो होते हैं। इस तरह की कल्पनाएँ विदेशी की बातें नहीं माननी। यह नेपाल के युवाओं का असंतोष था, जेनूइन विरोध था, हमें कोई शक नहीं। हाँ, एक बार ऐसे विरोध फूट पड़ता है तो उसमें कुछ गलत तत्व



डॉ. बाबुराम भट्टराई

भी प्रवेश कर जाते हैं। हमें भी अगर ऐसा कुछ होना, तो इसकी जांच चल ही रही है, उसमें सामने आ जाएगा, उसके कारण भी आंतरिक होंगे।

■ क्या थे ये आंतरिक कारण? दो तरह के फैक्टर रहे इसके पीछे। जनयुद्ध के तबे दौर के बाद हमने राजशाही का अंत करके नया संविधान बनाया। उसके बाद अंग्रेजा बदल गया था। इसलिए हमारी जो माओवादी पार्टी थी, हमने कहा था कि उसका कार्यभार पूरा हो गया है। उसके बाद नई तरह की राजनीति की जरूरत थी, सुरासन के जरिए आर्थिक समृद्धि लाने की जरूरत थी। लेकिन हमारी बात नहीं सुनी गई। पुरानी पार्टी के पुराने नेता पुराने ही तरीके चलते रहे। सिवाज्जा अर्थिक क्रांति नहीं हो पाई जिसका नतीजा इस विस्फोट के रूप में दिखा।

दूसरा फैक्टर यह भी रहा कि टेक्नॉलॉजी के विकास, खासकर इंटरनेट की पहुंच से युवाओं की चेतना बढ़ी। उस लिहाज से उनकी आकांक्षाएं बढ़ीं। तो यस्तुगत और मनोगत ये दोनों कारण रहे।

■ नेपाल में राजतंत्र की वापसी की मांग भी सुनने में आ रही है। कई कोनों से। यह खतरा किताब वास्तविक है? देखिए, किसी भी समाज में एक छोटा सा हिस्सा तो होता ही है जो अतीतमूल्य होता है। तो कभी ऐसा कोई स्वर कहीं से उठ जाए बात अलग है, वास्तव में ये फ्रिंज प्रोपेंडेंसी में रहे। राजशाही की वापसी का सवाल ही

असलियत यह है कि भारत और नेपाल के संबंध इतने पुराने और इतने गहरे हैं कि उसे किसी तरह से रिप्लेस करने की बात सोची भी नहीं जा सकती। फिर भी, मान लीजिए कि अगर कोई ऐसी मूर्खता करने की सोचता भी है तो खुद चीन उसे अस्वीकार कर देगा। ये बातें रेकॉर्ड में हैं कि 19वीं और 20वीं सदी में जब भी ऐसी कोशिश की गई, चीन ने उसे हतोत्साहित किया। चीन की तरफ से स्पष्ट बात दिया गया कि नेपाल का हित भारत से अच्छे संबंध बनाए रखने में है और सुरक्षित तथा स्थिर नेपाल चीन के भी हक में है।

■ बीसवीं सदी में साम्यवादी विचारों ने नेपाल और भारत समेत दुनिया के तमाम देशों में गहरी छाप छोड़ी। लेकिन 21वीं सदी में उनका प्रभाव कमजोर होता जा रहा है। क्या आप मानते हैं कि यह विचारधारा आगामी समय में खराब हो जाएगी? कोई भी विचारधारा अपने समय और समाज से निपटेश नहीं होती। आज तकनीकी विकास ने हमारे जीवन, सोच और जरूरतों को बदल दिया है। विचारधारा को भी उसी हिस्से से जरूरी बदलाव करने होंगे, तभी वह अपनी प्रासंगिकता बनाए रख पाएगी।

ऐसी दुश्मनी पहले तो न थी!

उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में वन्यजीवों और इंसानों का आमन-सामन होने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पहले भी इंसानी और जानवरों के बीच संघर्ष होता था, लेकिन कभी-कभार। और इसके बावजूद दोनों के बीच का रिश्ता सहज और समन्वय का था। यह रिश्ता कैसे बिगड़ा, इसे लेकर तमाम रिपोर्टें हैं - मुझे तो ये तीन कहानियाँ याद हैं, जो बता देती हैं कि पहाड़ों पर अखिर चल क्या रहा है।

यमुली के ज्योतिर्मठ की दवा भिलगवाल को अब भी रेगुलर चेकअप के लिए जाना पड़ता है। उनके सिर पर 22 और मुँह पर 12 टाँकें लगे हैं। घाब का निशान गहरा है। यह निशान उन्हें मिला था 4 नवंबर 2024 की सुबह। यह घर के पास खेले में पशुओं के लिए घास लेने गई थीं। जब वह घास काट रही थीं, तभी भालू ने उन पर हमला कर दिया। दवा ने कुछ देर तक मुकाबला किया, लेकिन फिर घबरा गईं। उनकी बेहूष सुनकर परिवार के लोग जब तक पहुंचे, भालू ने उन्हें बुरी तरह घायल कर दिया था।

दुसरी कहानी है उत्तरकाशी के मातली गांव की सुहरी देवी की। उनकी उम्र 80 सर है और उन्होंने पहाड़ों को बदलते बाहुन करीब से देखा है। उनसे जब इस बारे में बात हुई तो कहने लगीं, 'हमारे लिए जंगल रिस्क पैड-पैडो और हरियाली नहीं, हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा है। हम अपने अक्सरवाले के जंगल में बिना डर के जाते थे। तब पता चला कि वह कौन-सा हिस्सा है।

इलाका हमारा है और कौन-सा वन्य जीवों का। दोनो ही इस रश्मी को मानते। न हम उनके क्षेत्र में बिना जरूरत जाते और न ही ये इधर आते। आज जब इंसान पहले जैसा नहीं रहा, तो जंगल भी बदल गया है। हमने प्रदूषित से दूरी बना ली है।

जंगल और इंसान के बीच की समझ, उनके बीच का संतुलन टूट रहा है। 'सुंदरी देवी ने अपने साथ घटी एक घटना बताई। वह रोज की तरह जंगल में घास-पत्ती लेने गई थीं। एक पेड़ पर चढ़कर घास वह पतियां तोड़ रही थीं, तभी उनका सामना गिर गया। उन्होंने नीचे देखा तो एक भालू आगम फरमा रहा था। वह न चीखी और न घबराई। पतियां तोड़ने के बाद वह धीरे से नीचे उतरी और गमछ उतारकर घर चल पड़ी। 'मुझे डर इसलिए नहीं लग कि वह भी जंगल का हिस्सा है और मैं भी। तब तो कभी-कभी बाघ और भालू भी गांव और घरे के आसपास दिखाई दे जाते थे। लेकिन, वे चुपचाप आते और चले जाते। आज आसपास में घूमनी का भाव हो गया है, जो तब नहीं था।' तीसरी कहानी है मिल्की कोट गांव के भरत सिंह चौधरी की। उनके खब हाल ही में घटना हुई, 26 नवंबर को। वह पीपों में पानी दे रहे थे, जब अचानक भालू ने हमला कर दिया। उन्होंने पेड़ पर चढ़ने की कोशिश की, पर भालू ने उन्हें खींच लिया। 55 साल के भरत सिंह ठीक हैं, लेकिन शायद पहले जितने परसे के साथ वह अब जंगल में कदम न रख पाए।

चलते-चलते...

वैज्ञानिकों ने गाजर के वेकार समझे जाने वाले कचरे को उच्च पोषण और स्वादिष्ट प्रोटीन स्रोत में बदलने का एक नया तरीका खोज लिया है। American Chemical Society की रिपोर्ट के अनुसार, इससे वेकार फल मायसेलियम का उपयोग ऐंटी और सॉलरेंज में किया गया। सोया या दाने की तुलना में इस फंगल प्रोटीन से बने उत्पादों को लोगों ने अधिक पसंद किया।

रीडर्स मेल

■ **पानी और जहर** इंदौर में दूधित पानी से हुई मौतें केवल एक शहर की त्रासदी नहीं, बल्कि देश के शहरी और कस्बों के लिए चेतावनी हैं। पीने का पानी जीवन है और जब वही जहर बन जाए, तो यह सीधे-सीधी प्रशासनिक चिकित्सा कहलाता है। सोचिय व्यवस्था की अनदेखी, पीने के पानी की पाइपलाइनों में लीकेंज और समय पर मरम्मत का अभाव, ये सभी कारण मिलकर आम नागरिकों की जान जोखिम में डालते हैं। किसी भी लीकेंज या गंदे पानी की शिकायत मिलते ही त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे मामलों में फाइलें में दबी जांच का कोई मतलब नहीं है। अब समय है कि केवल बकान नहीं, ठोस कदम उठाए जाएं। निश्चित निरीक्षण, तकनीकी ऑडिट, आपात मरम्मत तंत्र और लापरवाही पर स्पष्ट जवाबदेही तय की जाए। पानी की सुरक्षा पर समझौता, जीवन की सुरक्षा से समझौता है और इसकी कोई कीमत स्वीकार्य नहीं।

आम प्रकाश हुडिया, ईमेल से

■ **आम जनता की सुरक्षा** यौते कुछ समय से आगजनी की घटनाओं में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। इन घटनाओं में न केवल आम सुरक्षा पर सवाल खड़ा किए हैं, बल्कि प्रशासन और दमक विभाग की तैयारियों की भी परीक्षा ली है। रेसरा, फैक, बार, होटल जैसे सार्वजनिक स्थानों पर जहां लोग जमनमाने जाते हैं, वही ये जोखिम और खतरें भी घंटे में आ जाते, उनसे बचक की सुविधाओं पर सवाल उठाना लाजिमी है। ऐसे सार्वजनिक स्थलों पर आपातकालीन निगरानी और उचित प्रोटोकॉल का प्राधान्य नहीं होने से खतरों की आशंका बढ़ जाती है। सही व्यवस्थाओं के लिए अग्न सुरक्षा अभियान के अंतर्गत कर्मचारियों, शास्त्री और जैन-जैन की सुरक्षा करना पलट करना ही करतब है। भविष्य में कोई भी जमन मानम में न बदल जाए, इसके लिए सभी को एहतियाती कदम उठाने जरूरी हैं।

दीपा सिन्हा, ईमेल से

आम जनता की सुरक्षा यौते कुछ समय से आगजनी की घटनाओं में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। इन घटनाओं में न केवल आम सुरक्षा पर सवाल खड़ा किए हैं, बल्कि प्रशासन और दमक विभाग की तैयारियों की भी परीक्षा ली है। रेसरा, फैक, बार, होटल जैसे सार्वजनिक स्थानों पर जहां लोग जमनमाने जाते हैं, वही ये जोखिम और खतरें भी घंटे में आ जाते, उनसे बचक की सुविधाओं पर सवाल उठाना लाजिमी है। ऐसे सार्वजनिक स्थलों पर आपातकालीन निगरानी और उचित प्रोटोकॉल का प्राधान्य नहीं होने से खतरों की आशंका बढ़ जाती है। सही व्यवस्थाओं के लिए अग्न सुरक्षा अभियान के अंतर्गत कर्मचारियों, शास्त्री और जैन-जैन की सुरक्षा करना पलट करना ही करतब है। भविष्य में कोई भी जमन मानम में न बदल जाए, इसके लिए सभी को एहतियाती कदम उठाने जरूरी हैं।



NBT AI टाइम मशीन

भारत की पहली महिला टीचर की जयंती

आज ही के दिन 1931 में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जन्म हुआ था। शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान अमूल्य है। उन्होंने देश के लिए अनेक सेवाएं दी हैं। उनका जन्म 1931 में हुआ था। उन्होंने देश के लिए अनेक सेवाएं दी हैं। उनका जन्म 1931 में हुआ था। उन्होंने देश के लिए अनेक सेवाएं दी हैं।

NBT

बच्चों के हिसाब से पढ़ाएंगे AI टीचर

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में शिक्षा पूरी तरह तकनीक आधारित होगी। AI टीचर बच्चों की जरूरतों के हिसाब से पढ़ाएंगे। बच्चों की जरूरतों के हिसाब से पढ़ाएंगे। बच्चों की जरूरतों के हिसाब से पढ़ाएंगे।

SPEED News

चीन ने 'अप्रोडेंड' गाइडेंड मिसाइल

स्ट्राइक कमीशन किया है। यह टाइप 052D श्रेणी का है। इसका नाम 'लाउडी' रखा है। BBC ने कहा, चीन दुनिया की सबसे बड़ी नौवहन बल है।



ताइवान के पास चीन के सैन्य अभ्यास पर US ने चेतावनी दी

US ने चेतावनी दी है कि चीन का यह अभ्यास सैन्य अभ्यासों में से एक है। US ने चेतावनी दी है कि चीन का यह अभ्यास सैन्य अभ्यासों में से एक है।

भारत-ब्रिटेन ट्रेड डील पहली छमाही तक लागू होने की उम्मीद है

ब्रिटेन के उप उच्चायुक्त एडवर्ड फ्लेमिंग ने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी का नया दौर शुरू होगा।



पाकिस्तान में तक्षिला के पास खुदाई में दुर्लभ सभ्यता की पहचान

मिले हैं, जिससे प्राचीन सभ्यता की शहरी बस्ती की एक दुर्लभ झलक मिलती है।

SPEED News

पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर व्हाट्सएप करके बताएं।

कनाडा ने AI से कहा, नशे में था पायलट, कार्रवाई करें



NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: कनाडा ने एयर इंडिया (AI) को सूचित किया है कि उसके एक पायलट को 23 दिसंबर 2025 को नैश्विल में ड्रग्स के साथ चलाते पाए गए थे।

ईरान में सड़कों पर जनता

प्रदर्शन में 7 लोगों की मौत, महंगाई बढ़ने और रोजगार संकट से बिगड़े हालात

■ NBT रिपोर्ट: ईरान में देश के कई हिस्सों में लोग सड़कों पर हैं। वहां के लोग महंगाई बढ़ने और रोजगार संकट से बिगड़े हालात में प्रदर्शन कर रहे हैं। 7 लोगों की मौत हो गई है।



ईरान के सिक्वोरिटी काउंसिल के सचिव और ट्रंप भिड़े



■ एबी, दुबई (एबीसी): ईरान प्रदर्शन के बीच ट्रंप और ईरानी सीनियर अधिकारियों के बीच तनाव बढ़ गया है। ट्रंप ने घोषणा की कि अगर ईरान ने शक्ति प्रदर्शन जारी रखा तो वह ईरान को सैन्य हस्तक्षेप करेगा।

ईरान की सरकार क्या कह रही है?

ईरान की सरकार ने कहा है कि विरोध की यह लहर अधिक गंभीर है। सरकार ने कहा है कि विरोध की यह लहर अधिक गंभीर है।

ईरान की राजधानी तेहरान में भी कई जगह प्रदर्शन हो रहे, आगामी भी हुई

ईरान की राजधानी तेहरान में भी कई जगह प्रदर्शन हो रहे हैं। आगामी दिनों में भी प्रदर्शन होने की उम्मीद है।

'2025 में 6,400 लोगों को फांसी, इनमें 26 महिलाएं भी'

ईरान के सुप्रीम लेबर अथॉरिटी अली खामनेई ने बताया कि 2025 में 6,400 लोगों को फांसी दी जाएगी। इनमें 26 महिलाएं भी शामिल हैं।

लोग सड़कों पर क्यों उतरें?

■ आमतौर पर ईरान में महंगाई बढ़ने और रोजगार संकट से बिगड़े हालात में लोग सड़कों पर उतरते हैं।

उपवास किसका है?

■ ईरान में लोग उपवास कर रहे हैं। यह उपवास ईरान के लोग कर रहे हैं।

आगे क्या हो सकता है?

■ ईरान में आगे क्या हो सकता है, यह कहना मुश्किल है।

JEE अडवांस्ड 17 मई को, करीब 2.5 लाख कैंडिडेट्स देंगे एग्जाम

■ NBT रिपोर्ट: नई दिल्ली: जेईए अडवांस्ड 17 मई को शुरू होगा। करीब 2.5 लाख कैंडिडेट्स देंगे एग्जाम।



CDS ने कार निकोबार एयरस्ट्रिप की शुरुआत की

■ पीटीआई, श्री निरंजन (निकोबार): चीन और निकोबार (CDS) ने कार निकोबार एयरस्ट्रिप की शुरुआत की।

गर्भवती के लिए मसीहा बना ड्राइवर

■ पीटीआई, नए दिल्ली: कनाडा ने एयर इंडिया (AI) को सूचित किया है कि उसके एक पायलट को 23 दिसंबर 2025 को नैश्विल में ड्रग्स के साथ चलाते पाए गए थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा चिंता कर रही: US सांसद

■ अमेरिकन, बांग्लादेश: बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा चिंता कर रही है US सांसद।

दुर्घटना से राहत की ओर

■ NBT रिपोर्ट: नई दिल्ली: कनाडा ने एयर इंडिया (AI) को सूचित किया है कि उसके एक पायलट को 23 दिसंबर 2025 को नैश्विल में ड्रग्स के साथ चलाते पाए गए थे।

बैद्यनाथ

एहसास जगायें, नवयौवन जैसा जोश पायें

वीटा-एक्स गोल्ड

पुरुषों के स्वास्थ्य हेतु प्रमाणित शुद्ध स्वर्ण भस्म, सफेद मुसली व शिलाजित युक्त

100% आयुर्वेदिक

100 वर्षों से लोगों का प्रसिद्ध, भरोसेमंद, जाँच और परखा

बैद्यनाथ सहाय 844 844 4035, www.baidyanath.co

रेप आरोपी की पत्नी को देश में रुकने का आदेश SC से रद्द

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने रेप आरोपी की पत्नी को देश में रुकने का आदेश SC से रद्द कर दिया है।

मद्रास IIA में विदेश मंत्री ने कहा...

■ पीटीआई, चेन्नई: विदेश मंत्री ने मद्रास IIA में कहा कि भारत को बुरे पड़ोसियों से रक्षा का हक है।

पाक और चीन रिश्ते पर बलूच नेता ने लिखा पत्र

■ NBT रिपोर्ट: बलूच नेता ने लिखा पत्र कि पाक और चीन के रिश्ते पर चिंता है।

भारत के बगैर SAARC की कल्पना में कुछ दम या है सिर्फ बयानबाजी

■ NBT रिपोर्ट: नई दिल्ली: भारत के बगैर SAARC की कल्पना में कुछ दम या है सिर्फ बयानबाजी।

JOINT SPINE & CLINIC

NON SURGICAL PAIN MANAGEMENT
Orthopedic & Physiotherapy

जाँट & स्पाइन क्लिनिक

उम्र से संबंधित घुटने का घिसना (Wear & Tear) गठिया (Rheumatoid Arthritis), एसीएल और पीसीएल लिगामेंट और मेनिसकस का फटना (ACL and PCL ligament and Meniscus tear), गाउट (यूरिक एसिड में वृद्धि), ऑपरेशन के बाद का दर्द। कई मरीज घुटने के प्रतिस्थापन के बाद भी दर्द का अनुभव करते रहते हैं।

खेल की चोटें, घुटनों का टूटना, देर तक खड़े न रह पाना, घुटनों में सूजन

बिना सर्जरी, बिना किसी दुष्प्रभाव के

Senior Orthopedic Surgeon
Pain Management Specialist
Rheumatologist

503, कोहिनूर स्पेशलिटी क्लिनिक, पाँचवीं मंजिल, सेंट्रल टावर, कोहिनूर स्क्वायर, शिवसेना भवन के सामने, दादर

मुंबई (प्रत्येक सोमवार)
सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक
8767090409
9370155293

70 सीटों पर असर डालेंगे उत्तर भारतीय मतदाता

2017 के BMC चुनाव में BJP बांद्रा से
दहिसर के बीच 52 सीटों पर जीती थी

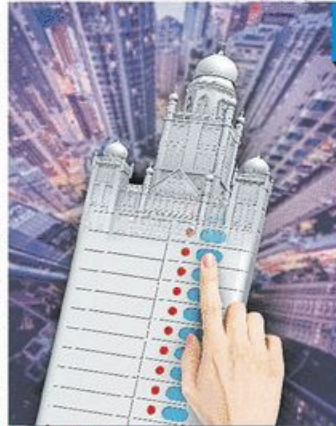
2014 के लोकसभा चुनाव से उत्तर
भारतीय वोटर आ गया BJP के पाले में

Brijesh.Tripathi@timesofindia.com

■ **मुंबई** : बीएमसी का चुनाव इस बार राजनीतिक दलों के लिए सबसे मुश्किल चुनाव माना जा रहा है। लगभग 75 हजार वोटों के बजट वाली बीएमसी पर कब्जा करने के लिए सभी दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। बीएमसी चुनाव में 1,03 करोड़ मतदाता हैं। मराठी, उत्तर भारतीय, मुस्लिम, गुजराती, मराठा वोटर चुनाव परिणाम को प्रभावित करेंगे।

मुंबई में उत्तर भारतीय खसरा उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के मतदाताओं की संख्या अच्छी रहती है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि मुंबई में करीब 20 लाख उत्तर भारतीय वोटर हैं, जो बीएमसी की करीब 70 सीटों को प्रभावित करेंगे। इसमें बांद्रा से लेकर दहिसर और पूर्व उपनगर की सीट शामिल है। मुंबई की 36 विधानसभा सीटों में लगभग 20 सीटों पर उत्तर भारतीय वोटर का खसा होगा है। इसमें काशीना, कुर्ली, दहिसर, पारकोव, फाटिवली-रैड, बेरीगुमी, मगवाणे, कोंडा, मेरगांव, टिपोली, जेगेशरी-पूर्व और ओपरी इंडस्ट्रियल हार्ब सीटों पर उत्तर भारतीय वोटरों का प्रभाव है। वर्ष-2014 से पहले मुंबई का वोटर एकमुसल कंसिंस को वोट देता था, लेकिन 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले बदल गया और मुंबई का उत्तर भारतीय वोटर बीजेपी के पाले में आ गया, जिसका फायदा बीजेपी को 2014 के विधानसभा, 2019 के लोकसभा, विधानसभा चुनाव में मिला।

2024 के लोकसभा चुनाव को छोड़कर विधानसभा चुनाव में भी वोटों में मतपुर्तु को वोट देता है।



इसलिए कम हुए उत्तर भारतीय उम्मीदवार

एक समय सबसे ज्यादा टिकट पाने के इच्छुक कांग्रेस में थे, जबकि इस समय यह सिविल सोसाइटी में है। नगरसेवक रहे वरुण सिंह खजुर, टीएमएलए को पार्टी ने इस बार टिकट नहीं दिया। सौरभ सिंह को जगह विकास अधिकार मालमलकर के करीबी निधिन चौधन को टिकट मिला, जबकि टीएमएलए की सीट अवेबिलिटी हो गई थी। इसी तरह अन्य सिविल सोसाइटी नंबर-89 से टिकट नंबर रहे थे, वह सीट सिद्ध सेन के पास चली गई, जबकि 2 बार विधायक का चुनाव लड़ चुके अमरजीत सिंह ने खास से निवृत्तीय पदों भरा था। एमएलसी राजेश सिंह के बेटे निरेश सिंह जिस सीट से चुनाव लड़ने के इच्छुक थे वह सीट भी सिद्ध सेन के कोटे में चली गई। पूर्व नगरसेवक विजय सिंह की सीट महील अवेबिलिटी अवैध हो गई थी, इसलिए पार्टी से वह भी टिकट नहीं पा सके। बीजेपी ने इस बार चुनाव में कुल 14 उत्तर भारतीयों को अपना उम्मीदवार बनाया है।

बांद्रा से दहिसर के बीच 52 सीटों पर जीती थी BJP

विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर उत्तर भारतीय वोटर रहते हैं। इसका असर यह हुआ कि 2017 के बीएमसी चुनाव में बीजेपी ने बांद्रा से लेकर दहिसर के बीच 52 सीटों पर जीत हासिल की थी। मुंबई बीजेपी के नेतृत्व पाने जिवादी ने बागाय, विजयी वरुण इस ओरले चुनाव लड़े थे। इस बार हम महासुख से लड़ रहे हैं। हमें विश्वास है कि हमारी सीटें इन क्षेत्रों में और बढ़ेंगी। मुंबई कांग्रेस उत्तर भारतीय सेल के अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने बताया, उत्तर भारतीय वोटर कांग्रेस का परंपरिक वोटर रहा है, इस चुनाव में वह हमारे साथ आ रहा है। उत्तर भारतीयों को हमने सबसे ज्यादा टिकट दिया है, उनके लिए मैनिफेस्टो जारी किया है इसका फायदा हमें चुनाव में मिलने की उम्मीद है।

मेगा ब्लॉक: आज और कल 260 लोकल सेवाएं रहेंगी कैसल पश्चिम रेलवे पर लिए जा रहे हैं तीन महत्वपूर्ण ब्लॉक

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई** : पश्चिम रेलवे पर चल रहे फाटिवली-बेरीगुमी एजी लाइन के काम के साथ-साथ अब ब्रिज नंबर 5 के री-गर्टिंग के काम के लिए छंट रोड और मुंबई सेंट्रल के बीच ब्रिज का किया जाएगा काम।



प्रभादेवी ROB हटाने को 7 घंटे का ब्लॉक

प्रभादेवी स्थित आरओबी को हटाने के लिए खंडन रेली लाइन पर 23:00 बजे से 07:00 बजे तक 07:30 घंटे का एक और मेजर ब्लॉक किया जाएगा। इस दौरान फाटिवली को बांद्रा/खजुर से महिम, माटुंग रोड, प्रभादेवी, लोअर परेल एवं महालक्ष्मी स्टेशन तक अर्धघंटा दिशा में यात्रा करने की अनुमति होगी। खंडन घण्टीट अर्ध दिशा में नहीं रुकेंगे तथा प्लेटफॉर्म की अपर्याप्त लंबाई के कारण लोअर परेल और महिम स्टेशन पर होकर रुकना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, ब्लॉक के दौरान कुछ उपनगरीय ट्रेनें निराल रहेंगी तथा चर्चिटे जाने वाली कुछ ट्रेनों को बांद्रा/दहिसर स्टेशन पर होकर टर्मिनेट अथवा रिवर्स किया जाएगा।

पुलिस एनिवर्सरी पर 200 मोबाइल लौटाए गए



■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई** : पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर जैन-2 की ओर से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें गुप्त का चोरी हुए 200 मोबाइल फोन उनके सिकारकर्ताओं को सौंपे गए लौटाए गए। इस फल का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक क्षेत्र) डॉ. अरविंद देशमुख और पुलिस उपआयुक्त (जैन-2) डॉ. मोहित गंग ने किया। बरामद मोबाइल की कुल अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपये है। ट्रेडिरी मार्ग के अनुसार, तकनीकी विश्लेषण और लोकेशन ट्रैकिंग के आधार पर इन मोबाइल फोनों को बरामद किया गया। मोबाइल फोन वापस मिलाने पर सिकारकर्ताओं ने संतोष व्यक्त करते हुए मुंबई पुलिस का आभार जताया। मुंबई पुलिस नगरिकों की सुरक्षा, शिकायतों के जवाब मिलाने और अप्रतिष्ठित तकनीक के बेहतर उपयोग के लिए सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुंबई का मेयर हिंदू-मराठी ही बनेगा: मुख्यमंत्री

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई** : मुंबई का मेयर हिंदू और मराठी ही होगा। यह शब्द मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा। मुंबई का मेयर हिंदू और मराठी ही होगा। यह शब्द मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा। मुंबई का मेयर हिंदू और मराठी ही होगा। यह शब्द मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा।

स्कूलों में मराठी ही अनिवार्य, अन्य भाषाएं ऐच्छिक: CM फडणवीस



मराठी के संरक्षण पर जोर

मराठी संरक्षण और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि छात्रों को मराठी में 'राज्यभाषा संरक्षण' के माध्यम से मराठी को प्रारंभिक भाषा का दर्जा दिया जा। सरकार अलग से मराठी के संरक्षण और संवर्धन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। फडणवीस ने कहा कि प्रशासन में मराठी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए मराठी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और राजमार्ग के जीवन में मराठी बोलना जरूरी है। राष्ट्रीय संरक्षण में मराठी अकादमी के गुरु होना इसे दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

भाषाओं के विविधता में नहीं है, लेकिन उन्हें अनिवार्य करने का कोई इरादा भी नहीं है। भाषा नीति को संतुलित और व्यावहारिक बनाने के लिए डॉ. नरेंद्र नाथ को

मीरा-भाईंदर में BJP के बागी बिगाड़ सकते हैं जीत का गणित महानगरपालिका चुनाव में सियासी समीकरण उलझे



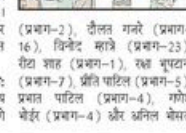
■ **अमित तिवारी, मीरा-भाईंदर** : मीरा-भाईंदर महानगरपालिका चुनाव में बीजेपी को इस बार अंतर्द्वीय बराबत का सामना करना पड़ रहा है। टिकट वितरण के दौरान मतदान ने करीब दो दर्जन पूर्व नगरसेवकों के टिकट कोटे, जिसमें नाराज होकर लगभग एक दर्जन नेताओं ने बराबत करते हुए निर्दलीय न्यायिक लड़कियां कर दिए। बाद में पार्टी नेतृत्व कुछ बागीनों को मनाने में सफल रहा। इसके बावजूद अब भी 5 बागी उम्मीदवार मैदान में दौड़ रहे हैं, जो बाजब के जीत के गणित को बिगाड़ सकते हैं।

राज्य में मराठी जरूरी

सत्ता में 9वीं अखिल भारतीय मराठी संघीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में केवल मराठी भाषा ही अनिवार्य है, कोई अन्य भाषा नहीं। उन्होंने बताया कि मराठी-भाषा प्रणाली को लेकर महाराष्ट्र, लेकिन छोटे और अन्य परदे की किसी भी भारतीय भाषा को संरक्षण की आवश्यकता है। बिना केवल इस बात पर था कि किसी भाषा किस कदम से शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय भाषाओं का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन भारतीय भाषाओं को नजरअंदाज करना उचित नहीं है। भारतीय भाषाओं को भी समान सम्मान मिलना चाहिए।



(प्रभाग-14) शामिल है। इनमें से प्रति प्रतिष्ठल पहले प्रभाग-12 से नगरसेवक रह चुकी हैं, लेकिन इस बार प्रभाग-5 से मैदान में हैं। जिससे मुसाबल और रोकाव हो गया है। खस बात यह है कि कुछ प्रयोगों में एक से अधिक बागी होने से सीधे और पर बाजब के जीत के मैदान में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं।



जो दूसरी ओर पार्टी ने सिविल सोसल को कोशिश में की। सुनील अग्रवाल, दीपाली मेकारो, चंद्रकांत डेते और शिवराज राव ने अपने न्यायिक न्याय से लिए हैं। हालांकि, न्यायिक न्याय नेने के बावजूद विजय राव ने शिवसेना में प्रवेश कर लिया, जिससे राजनीतिक दलों में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

www.nbt.in



CDS ने कार निकोबार एयरस्ट्रिप
की शुरुआत की ▶▶ पेज 12

© 2011 Blackwell Publishing Ltd *Journal of Internal Medicine* 270: 103–111

भाला
OGM
भार



Nikhil Ranawat
Swarn Shilp
CHAINS & JEWELLERY PVT. LTD.
An exclusive AR brand



Balraj Thadeshwar
Shringar
House Of Mangalsutra



Sneh Jain
Royal Chains
Private Limited



Rahul Mehta
Silver Emporium
SILVER EMPORIUM



Ansh Wadala
V Chains Jewellery
Pvt. Ltd.



Raj Kothari
MASTER
Chains & Jewels



Pratik Munot
SHANKESHWAR
JEWELCRAFT LLP



Krish Jagawat
Shanti Gold
International Ltd.



Shreyansh Jain
Mukti Gold Private Limited
MUKTI GOLD | DIAMONDS



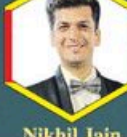
Ankit Mehra
Unique
Chains and Jewels Limited



Akrant Kothari
R. Kothari Jewellers Pvt. Ltd.



Aryan Surana
Aradhana
Jewellers Pvt. Ltd.



Nikhil Jain
SAMRUDDHI
JEWELCRAFT PVT LTD



Kiran Shah
Ansa Jewellers Pvt. Ltd.
ANSAA JEWELLERS (P) LTD.



Rachit Pamecha
Myra (Sky Chains)
SKY CHAINS

बात जीवन में जब सफलता की होती है, तो इसके कई सूत्रधारक होते हैं, जो कहीं न कहीं से हमारे जीवन को दिशा प्रदान करते हैं और हमें प्रेरित करते हैं, ताकि हम बेहतर कर सकें। जब आप उम्मीद से बेहतर करते हैं और समाज को अपनी कार्यशैली से प्रभावित करते हैं, तो सम्मान के हकदार होते हैं

लीक से हटकर चलते हैं स्टार्स

यह वह दौर होता है जब उनकी आंखों में बड़े सपने होते हैं और उन्हें अपने लिए रास्ते खुद तय करने होते हैं। एक प्रोफेशनल पीपल अहदा कहते हैं कि ऑस्ट्रेलियन का फैसला सही नहीं होता है। यह एक पड़ाव होता है, जब आपको अपने ऊपर ज्यादा भरोसा करना होता है। जैसे-जैसे आप सफलता की ओर कदम बढ़ते जाते हैं, लोग आपसे जुड़ते जाते हैं और जब आप सम्मानित होते हैं तो महसूस होता है कि आपने अपने काम से माइलस्टोन संचित किया है।

बेहतर शुरुआत से बनती है बात यह बात है कि सफल में आप हमेशा अकेले होते हैं। खास तौर पर जब आप लीक से हटकर कुछ करने की खोजें हैं तो आपको



प्रोफेशनल सोल्वर की भूमिका खुद निभानी होती है। जैसे-जैसे आपका काम और टीम बढ़ती है, तो जिम्मेदारी और जवाबदेही दोनों ही बढ़ती जाती है। कई बार ऐसा होता है, जब आप अपनी कार्यशैली से दूसरों को प्रभावित करते हैं और दूसरों से प्रभावित होते भी हैं। यही

कि कभी आप किसी के लिए रोलमॉडल की भूमिका में होते हैं तो कभी कोई और आपके लिए इस भूमिका का निर्वाहन कराव है। कई लोग इस बात को मानते हैं कि जीवन में एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत महसूस होती है, जो स्वयं जवाब न दे, बल्कि सोचने की दिशा दे यहाँ मार्गदर्शक की भूमिका अहम हो जाती है।

क्षमताओं को देना होता है विस्तार मार्गदर्शक कोई जड़ की छड़ी नहीं होता, जो एक पल में सब बदल दे। वह जीवन का रास्ता तय नहीं कराता, बल्कि रास्ता देखने की जरूरत देता है। एक अच्छे मार्गदर्शक वही होता है, जो युवा की क्षमताओं को परखता है, उसकी कमजोरियों को दूर करने में उनकी मदद करे और उनके लिए प्रेरणा स्रोत बने। एक

प्रोफेशनल सुधीर गंगुल्ले हैं कि मुझे अपने काम से बेहद प्यार है, लेकिन मैं कितने पड़ता पसंद करता हूँ। मैं दिन बुनिया के ऐसे बिकसित से प्रभावित रहता हूँ, जिनकी किताबें मैंने पढ़ी हैं। कई बार जब आप मुश्किल में पड़ जाते हैं तो वे आपके लिए मददगार बनते हैं। इसी तरह वे एक प्रोफेशनल मैनिफेस्टो बनकर रहते हैं कि मैं अपनी क्षमताओं को विस्तार देने पर ज्यादा ध्यान दे रहा हूँ। हर दिन पिछले दिन से बेहतर करने की कोशिश में सफलता का मंत्र छिपा है। आपका कॉन्फिडेंस आपके ही होता है और वे बातें मुझे निखरने और लीक से हटकर कुछ कर गुजरने के लिए प्रेरित करती हैं। इसके बाद जब काम को सम्मान मिलता है तो यह सही मायने में दिलचस्प होता है।



Vansh Jain
utsav
CZ Gold Jewels Ltd.



Vinay Shobhawar
Anand Darshan
Silvers



Shubh Jain (Kagreacha)
Forever Jewels



Dheeraj Sarupria
Laxmi Gold



Heet Jain
Pooja Jewellers



Pritesh Mehta
SHEAURA
JEWELS



Pranav Ranawat
Brahmamand
JEWELS



Naman Jain
Nakoda



Aayush Singhvi
Arihant 925
Jewellery Pvt. Ltd.



Ketan Kothari
R. K. Jewels

RUSH LIMITED STOCKS

- Get upto 70% Off on selected products @ Vijay Sales
- 60,000 sq. ft area of Electronics & Appliances
- 30,000 sq. ft. area of Furniture & Interior
- Lakhs of Consumer Products
- Huge display of Automobiles
- Get 70% Off on all Consumer Products
- Buy any 3+ Coffee @ Tempting Tale & Get Flat 15% Off
- International Stalls

Call: 7387779275

■ **पंपा, पुरी:** बीजेपी ने पुरी कांस्यकलाश्रम की नवगठन के बाद पुरी नगर पंचायत में पुरी मूल-उद्योग की ड्रम-होल्डर खण्डम ले ली है। नगरपालिका के इलेक्ट्रिकल पार्क और हॉल (RPM) के बंदों के तहत वॉर्ड नंबर-2 से ड्रम-होल्डर के रूप में बीजेपी ने खण्डम पद दिया था।

■ **अधुनामय, पुरी:** MPSC की तैयारी कर रहे छात्रों के विद्यार्थियों में देरी को लेखक एक साक्षात्कार अधुनामय में छुट्टी की बंश ने कर दी है। पुरी में बंदी अधुनामय में छात्र साक्षात्कार पर नतीजा। न्याय और परीक्षा अधुनामय के ड्रम-होल्डर चलेते हैं कि अधुनामय के रूप-अर्थ नतीजा। नवगठन कर बंदी नतीजा।

जम्बुई महानगरपालिका
नगरपालिका सार्वजनिक निवडणूक - २०२५-२०२६
जाहीर सूचना
महानगर राज्य वादी दिनांक २६ डिसेंबर, २०२५ रोजी अन्यथा यो मतदाता वादी
महानगरपालिका सार्वजनिक निवडणूक - २०२५-२०२६ कोठा तयार कर
वादी दिनांक ०३ जानेवारी, २०२६ रोजी जम्बुई महानगरपालिका
/ir/portal/anonymous/q/8MCElect2025) सेवेतयस्यवापर प्र
साही/-
भूषण मगरानी
PRO/2671/ADV/2025-26 आयुक्त, जम्बुई महानगरपालिका

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:- https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in